त्रिभाषा फार्मूला

1958. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कौन कौन से राज्यों ने त्रिभाषा फार्मूला स्वीकार कर लिया है ; और

(ख) बाकी राज्यों द्वारा उक्त फार्मूले को स्वीकार न किये जाने के क्या कारण हैं ?

शिक्षा, और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उपमंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) और (ख). भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों के परामर्श से तथा केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की सलाह पर, जिन्होंने भाषा के प्रश्न पर 1956 में विस्तृत विचार किया था त्रिभाषा सूत्र तैयार किया गया था। राज्यों के मुख्य मंत्रियों तथा केन्द्रीय मंत्रियों की अगस्त, 1961 में हुई बैठक में इस सूत्र को सरल बनाया गया तथा इसे राज्यों में लागू करने के लिये स्वीकृति दी गई थी। तथापि तमिलनाडु की तत्कालीन सरकार ने जनवरी, 1968 से राज्य स्कूलों में त्रिभाषा सूत्र को समाप्त कर दिया, जो कि राज्य विधान मंडल द्वारा पारित एक संकल्प के अनुसरण में था।

हरियाणा हिमाचल प्रदेश, मणिपुर तथा मेघालय के राज्य, जोकि मुख्य मंत्रियों की उपर्युक्त बैठक के बाद अस्तित्व में आए थे, त्रिभाषा सूत्र को लागू कर रहे हैं। त्रिपुरा स्कूल स्तर पर पश्चिम बंगाल की शिक्षा पद्धति को लागू कर रहा है तथा नागालैंड की वर्तमान स्थिति का पता लगाया जा रहा है। सिक्किम राज्य ने अपनी भाषा नीति अभी तैयार नहीं की है।

कुछ राज्यों ने सूत्र को कार्यान्वित करने हेतु मुख्य मंत्रियों तथा केन्द्रीय मंत्रियों की 1961 में हुई बैठक में पारित किये गये त्रिभाषा सूत्र में, जिसे 1968 में संसद् में भाषा संबंधी संकल्प में पुनर्निर्मित किया गया था, कुछ संशोधन किये हैं जिनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की जायेगी।

आलू निगम

1959. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आलू के मूल्यों में भारी गिरावट के कारण आलू के उत्पादक किसानों को घोर आर्थिक संकट का सामना करना पड रहा है

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार किसानों को उजड़ने से बचाने के लिए आलू का समर्थन मूल्य निर्धारित कराने तथा आलू नियम की स्थापना करने का है;

(ग) यदि हां, तो कब; और

(घ) सरकार का विचार आलू उत्पादकों के हितों की किस प्रकार रक्षा करने का है ;

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में उपमंत्री (श्री प्रभुदास पटेल) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग). इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ) आलू पैदा करने वाले किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए सरकार ने नीचे लिखे उपाय किए हैं।

(1) राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों में लगभग 45 रुपये प्रति क्विंटल के